Proposed M.Phil./Ph.D. Course for Sanskrit
Part – I Written Examination

General guidelines for written examination :

1. **The coursework for M.Phil. and Ph.D. shall be common.**
2. **Four credits/100 marks are assigned for each paper and 16 credits/400 marks for all four papers.**
3. **All research scholars admitted to M.Phil./Ph.D. programme shall be required to complete the coursework within initial one or two semesters.**
4. **An M.Phil./Ph.D. scholar has to obtain a minimum of 55% of marks of the course in order to be eligible to continue in the programme and submit the dissertation/thesis.**
5. **Research scholars shall be required to attend lectures (coursework) and participate in seminars arranged in the department during the programme. The minimum percentage of lectures to be attended during the coursework will be two-third of the lectures delivered in all courses individually.**

Paper – I : Research Methodology

[A] Prescribed Course:

Max. Marks 100
Credits: 04
Time : 3 Hours

Unit I: अनुसन्धान की सैद्धान्तिक अवधारणाएँ (Theoretical concepts of Research)
Unit II: शोधसामग्री के स्रोत एवं उनका विभाजन (Sources of material and classification)
Unit III: पाण्डुलिपि–विज्ञान (Manuscriptology)
Unit IV : सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदत्त उपकरण एवं तकनीक (Tools and Techniques provided by information technology)

[B] Course Objectives:

This course aims to train students in theoretical concepts of research, review of published research in Sanskrit, Manuscriptology and information tools and techniques.

[C] Unit Wise Division:

Unit I: अनुसन्धान की सैद्धान्तिक अवधारणाएँ (Theoretical concepts of Research) 25

1. अनुसन्धान का स्वरूप – अनुसन्धान, आलोचना एवं समीक्षा, संस्कृत–अध्ययन की शाखाएँ, संस्कृतशोध के उद्देश्य एवं क्षेत्र। (Concept of Research – Research, Criticism and Analysis, Branches of Sanskrit studies, Aims and Areas of Sanskrit Research).
2. विषयनिर्वाचनपद्धति एवं निर्वाचित विषय में किये गये शोधकार्यों का निरीक्षण। (Method of topic selection and Survey of researchs in the broader areas of selected topics).

3. शोधप्रबन्ध की रूपरेखानिर्माणपद्धति (Method of Preparing Synopsis)
4. शोध के घटकतत्त्व एवं शोधपद्धति (Components of Research and Research Methodology).
5. अनुसन्धान के साधन (Tools of Research)
6. सन्दर्भग्रन्थसूची के निर्माण की प्रक्रिया (Method of Making a Bibliography).
7. लिप्यन्तरण (Transliteration)

Unit II: शोधसामग्री के स्रोत एवं उनका विभाजन (Sources of material and classification) 25

1. सामग्री संकलन: मुख्य एवं गौण – परम्परागत स्रोत एवं ई-स्रोत (Material Collection: Primary and Secondary - Traditional and E-Resources).
2. संस्कृत शोध विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ (Reference books related to Sanskrit research).
3. कोशग्रन्थ (Dictionaries)
4. विश्वकोश (Encyclopedias)
5. हस्तलिखित एवं मुद्रित ग्रन्थों की सूचियाँ (Catalogues of manuscripts and publications).
6. परिशिष्ट (Appendices)
7. शब्दानुक्रमणिका (Word indexes)
8. शोधपत्रिकाएँ (Research Journals and Magazines).

Unit III: पाण्डुलिपि–विज्ञान (Manuscriptology) 25

1. हस्तलिखित ग्रन्थों एवं पाठों के प्रकार (Types of Manuscripts and Texts).
2. सम्प्रेषित हस्तलिखित ग्रन्थों में भ्रष्टता के कारण (Causes of corruption in the transmitted manuscripts).
3. पाठनिर्धारण (Re-constitution of Text).
4. पाठालोचन के सिद्धान्त (Principles of Editing).
5. हस्तलिखित ग्रन्थों के सम्पादन की पद्धति – रामायण और महाभारत (Method of editing manuscripts; with reference to critical editions of Rāmāyaṇa and Mahābhārata).
6. पाण्डुलिपि – वंशवृक्ष (Manuscripts – *Vansvriks*)
7. हस्तलिखित ग्रन्थों के भण्डार (*Libraries* of manuscripts).

Unit IV : सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदत्त उपकरण एवं तकनीक (Tools and Techniques provided by information technology) 25

1. संस्कृत शोध से सम्बद्ध संगणकीय उपकरणों का परिचय एवं उपयोग (Introduction and application of various Computational tools in Sanskrit Research).
2. वेब खोज तकनीक एवं मुख्य सर्च इंजन का परिचय (Web search techniques and introduction of main search engine).
3. Editing Tools.

[D] Basic Structure of Question Paper & Division of Marks

1. Four (4) Long Answer Type or Essay Type questions (One from each Unit) **4x20=80**
2. Four (4) Short Notes (one (1) from each Unit) **4x5 = 20**
3. 100% option will be provided in every question.

[E] Recommended Readings:

1. नगेन्द्र. (2010), अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली।
2. मिश्र, अभिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र. (2008), शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. सिंह, उदयभानु – अनुसन्धान का विवेचन
4. सिंह, उदयभानु – अनुसन्धान के मूलतत्त्व
5. शर्मा, विनयमोहन – शोध प्रविधि
6. सिन्हा, सावित्री व स्नातक, विजयेन्द्र – शोध प्रक्रिया और विवरणिका
7. कत्रे, एस.एम. (डॉ.) – भारतीय पाठालोचन की भूमिका (हिन्दी अनुवाद)
8. कत्रे, मिथिलेश – पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रक्रिया
9. सुक्थंकर, वी.एस. – महाभारत के आलोचनात्मक संस्करण की भूमिका
10. वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटेलोगोरम की भूमिका
11. 'दिनेश', शर्मा, रामगोपाल – पाण्डुलिपि विज्ञान
12. सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान
13. Kothari, C. R. (2004). *Research methodology: Methods and techniques*. New Age International.
14. Koul, L. (2009). *Methodology of Educational Research, 4Enew E*. Vikas publishing house PVT Ltd.
15. Kumar, S., & Phrommathed, P. (2005). *Research methodology* (pp. 43-50). Springer US.
16. Neville, C. (2010). *The complete guide to referencing and avoiding plagiarism*. McGraw-Hill Education (UK).
17. Nunan, D. (1992). *Research methods in language learning*. Cambridge University Press.
18. Turabian, K. L. (2013). *A manual for writers of research papers, theses, and dissertations: Chicago style for students and researchers*. University of Chicago Press.
19. http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/12164/11/11_chapter%204.pdf
20. http://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/29975/12/12_chapter%205.pdf
21. http://www.baraha.com/
22. http://www.chicagomanualofstyle.org/home.html
23. http://www.citethisforme.com/guides
24. https://owl.english.purdue.edu/owl/resource/747/01/
25. https://reeta-yashvantblog.blogspot.in/2016/03/blog-post.html
26. https://web.library.uq.edu.au/research-tools-techniques/referencing-style-guides.

Note: Teachers are free to recommend any relevant books, articles, e-resource.

Paper – II : General introduction to Sanskrit Śāstrās and Survey of Research on them
संस्कृत शास्त्रों का सामान्य परिचय एवं उन पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण

[A] Prescribed Course:

Total Marks 100
Credits: 04
Time : 3 Hours

Unit I: वैदिक साहित्य तथा ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Vedic literature and Jyotiṣaśāstra)
Unit II: भारतीय दर्शन तथा धर्मशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Indian Philosophy and Dharmaśāstra)
Unit III: व्याकरणशास्त्र तथा साहित्यशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Grammar and Sanskrit Poetics)
Unit IV : इतिहास–पुराण तथा अभिलेखशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Itihāsa-Purāṇa and Epigraphy)

[B] Course Objectives:

This course aims at the students getting introduced with Sanskrit Śāstrās as well as trained in tools and techniques of the survey of researches on them.

[C] Unit Wise Division:

Unit I: वैदिक साहित्य तथा ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Vedic literature and Jyotiṣaśāstra) 25

1. संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषदों, वेदाङ्गों (शिक्षा, कल्प, निरुक्त, छन्द) तथा वैदिक भाष्यकारों का सामान्य परिचय
2. वैदिक साहित्य के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण
3. भारतीय ज्योतिष–परम्परा का सामान्य परिचय
4. ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण

Unit II: भारतीय दर्शन तथा धर्मशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Indian Philosophy and Dharmaśāstra) 25

1. भारतीय दार्शनिक परम्परा का सामान्य परिचय
2. भारतीय दर्शन के प्रमुख इतिहासग्रन्थों का सर्वेक्षण
3. धर्मशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों का सामान्य परिचय
4. धर्मशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण

Unit III: व्याकरणशास्त्र तथा साहित्यशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Grammar and Sanskrit Poetics) 25

1. संस्कृत व्याकरण परम्परा का सामान्य परिचय
2. पाणिनि, पतञ्जलि, भर्तृहरि तथा भट्टोजिदीक्षित पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण

3. भारतीय साहित्यशास्त्रीय परम्परा का सामान्य परिचय
4. साहित्यशास्त्र के प्रमुख इतिहासग्रन्थों का सर्वेक्षण

Unit IV : इतिहास–पुराण तथा अभिलेखशास्त्र का सामान्य परिचय तथा सर्वेक्षण (General introduction and survey of Itihāsa-Purāṇa and Epigraphy) 25

1. इतिहास तथा पुराण साहित्य का सामान्य परिचय
2. रामायण, महाभारत तथा पुराणों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण
3. अभिलेखशास्त्र का सामान्य परिचय
4. अभिलेखशास्त्रीय प्रमुख शोधग्रन्थों पर हुये शोधकार्यों का सर्वेक्षण

[D] Basic Structure of Question Paper & Division of Marks

1. Four (4) Long Answer Type or Essay Type questions based on survey. **04x15=60**
2. Eight (8) Short Notes based on general introduction of Sanskrit Śāstrās. **08x05=40**

[E] Recommended Readings

1. उपाध्याय वलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी।
2. उपाध्याय वलदेव, संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, प्रथम भाग (वेद), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
3. ऋषि उमा शंकर शर्मा, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी।
4. त्रिपाठी गया चरण, वैदिक देवता उद्भव और विकास, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
5. द्विवेदी कपिलदेव, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. भगवद्दत्त, वैदिक वङ्मय का इतिहास, विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
7. दीक्षित शङ्कर बालकृष्ण – भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास (अनु.), शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
8. शास्त्री नेमिचन्द्र – भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
9. गोरख प्रसाद – भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
10. Radhakrishanan S. – Indian Philosophy, Vol. I-II, London, 1967.
11. Dasgupta S.N. – History of Indian Philosophy, Vol. I-V, MLBD, Delhi, 1975.
12. उपाध्याय बलदेव – भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी, २००१
13. शर्मा चन्द्रधर – भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००४
14. Kane, P V, History of Dharmashastra, Vol – I, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
15. काणे पाण्डुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु. अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
16. अग्निहोत्री प्रभुदयाल – पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना, १९६३
17. अग्रवाल वासुदेवशरण – पाणिनिकालीन भारतवर्ष, पटना, १९६९
18. मीमांसक युधिष्ठिर – संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास, ३ भाग, सोनीपत, १९७४

19. वर्मा सत्यकाम – संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास, दिल्ली
20. Cardona, George – Pāṇ ini: A Survey of Research, Delhi, 1980
21. Ray, Bidyut Lata – Pāṇ ini to Patañjali: A Grammatical March, Delhi, 2004
22. Schafe, H. – Grammatical Literature (A History of Indian Literature Vol. V), Wiesbaden.
23. De, S.K.– History of Sanskrit Poetics, K.L. Mukhopadhyay, Calcutta
24. Kane, P.V – History of Sanskrit Poetics, MLBD, Delhi
25. उपाध्याय बलदेव – भारतीय साहित्यशास्त्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
26. कृष्ण कुमार – अलङ्कारशास्त्र का इतिहास, साहित्य भण्डार, मेरठ
27. Hopkins, E.W. – The Great Epic of India, Reprinted by Punthi Pushtaka, Calcutta, 1969
28. Hazra, R.C. – The Purāṇ ās: The Upapurāṇ ās in the Cultural Heritage of India, Vol. II, pub. by R.K. Mission Institute of Calcutta, 1962.
29. Kausambi, D. D., *Prachin Bharat ki Sanskriti aur Sabhyata,* Rajkamal Prakashan, 2006, New Delhi.
30. Majumdar, R. C., *Ancient India,* Motilal Banarasidass, 2013, Delhi.
31. *Mahabharata* with Nilkantha's Commentary, Chitrasala Press, 1929-33, Poona.
32. Pusalker, A.D. - Studies in the Epic and Purāṇ ās, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay, 1963.
33. Upadhyay, Baldev, *Purana-Vimarsh,* Chaukhamba Vidyabhavan, 2013, Varanasi.
34. दुबे, सीताराम (डॉ.) – अभिलेखिक अध्ययन की प्रविधि एवं इतिहास, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
35. राही, आई.सी. – लेखन कला का इतिहास, लखनऊ
36. उपाध्याय, वासुदेव (डॉ.) – प्राचीन भारतीय अभिलेख, राजेन्द्र नगर, पटना
37. मुले, गुणाकर – भारतीय लिपियों की कहानी, राजकमल प्रकाशन, पटना
38. Sarkar, D.C., Indian Epigraphy, a guide to the study of inscription –Sanskrit, Prakrit & other indian languages, Munshi Ram Manohar Lal Publisher Pvt. Ltd. Delhi.
39. Ramesh,K.V. - Indian Epigraphy, Delhi.

Note: Teachers are free to recommend any relevant books/articles/e-resource.

Paper – III : Religion, Philosophy and Culture
धर्म, दर्शन तथा संस्कृति

[A] Prescribed Course:

Total Marks 100
Credits: 04
Time : 3 Hours

Unit I: प्राचीन भारतीय धार्मिक मतों का सर्वेक्षण (Survey of Ancient Religions)

Unit II: भारतीय दर्शन की प्रमुख समस्याएँ (Main problems of Indian Philosophy)

Unit III: वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)

Unit IV : नव्यन्याय की भाषा एवं पद्धति का अवबोध (Knowledge of Navyanyāya language and methodology)

[B] Course Objectives:

This course at the students acquiring the knowledge of ancient indian religions, main problems of indian philosophy, Vedic culture and text of Navyanyāyabhāṣ āpradīpa.

[C] Unit Wise Division:

Unit I: प्राचीन भारतीय धार्मिक मतों का सर्वेक्षण (Survey of Ancient Indian Religions) **25**

बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव तथा शाक्त धार्मिक मतों का सर्वेक्षण

Unit II: भारतीय दर्शन की प्रमुख समस्याएँ (Main problems of Indian Philosophy) **25**

भारतीय दर्शन में आत्मा, परमात्मा–ईश्वर–ब्रह्म, कार्यकारण–सिद्धान्त, प्रमाण–मीमांसा, मोक्ष तथा उसके साधन, कर्मसिद्धान्त एवं पुनर्जन्म

Unit III: वैदिक सभ्यता (Vedic Culture) **25**

वैदिक संस्कृति, बहुदेववाद, एकेश्वरवाद

Unit IV : नव्यन्यायभाषाप्रदीप (Navyanyāyabhāṣāpradīpa) **25**

नव्यन्यायभाषाप्रदीप (पुस्तक का अध्ययन)

[D] Basic Structure of Question Paper & Division of Marks

1. Four (4) Long Answer Type or Essay Type questions (One from each Unit) **04x20=80**
2. Four (4) Short Notes (one (1) from each Unit) **04x05=20**
3. 100% option will be provided in every question.

[E] Recommended Readings

1. भण्डारकर आर.जी. – वैष्णवशैव , और अन्य धार्मिक मत (अनुवादक) डॉ. महेश्वरी प्रसाद, दिल्ली
2. Barth – Religions of India
3. James Hastings – Encyclopedia of Religion and Ethics
4. Sinha J.N. – Indian Philosophy
5. शर्मा नन्दकिशोर – भारतीय दार्शनिक समस्याएँ
6. Jha, Ujjavala – Navyanyāya language and methodology

Note: Teachers are free to recommend any relevant books/articles/e-resource.

Paper – IV : Ancient Indian Socio-Political Institutions
प्राचीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक तथा न्यायिक संस्थाएँ

[A] Prescribed Course:

Total Marks 100
Credits: 04
Time : 3 Hours

Unit I: Social Institutions
Unit II: Political Institutions
Unit III: Economic Institutions
Unit IV : Legal Institutions
Unit V : Sanskrit Literature and Chronology

[B] Course Objectives:
This course is intended to make students having brief introduction of ancient indian Socio-Political institutions and chronology of Sanskrit literature. The course is focused on Social, Political, Economic and Judicial system in ancient india.

[C] Unit Wise Division:

Unit I: Social Institutions **20**
प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था, वर्णाश्रम–व्यवस्था, शिक्षा–व्यवस्था, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति, षोडश संस्कार।

Unit II: Political Institutions **20**
प्राचीन भारतीय राजसत्ता, राजतन्त्र, शासनपद्धति, राज्य का सप्ताङ्ग सिद्धान्त।

Unit III: Economic Institutions **20**
प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख पक्ष – राज्य एवं अर्थव्यवस्था, कृषि, व्यापार, लघु उद्योग

Unit IV : Judicial Institutions **20**
प्राचीन भारतीय न्यायव्यवस्था के प्रमुख पक्ष – विवाद पद, न्यायिक प्रक्रिया

Unit V : Sanskrit Literature and Chronology **20**
प्राचीन भारतीय साहित्य के कालनिर्धारण की समस्याएँ और उनके समाधान।

[D] Basic Structure of Question Paper & Division of Marks

1. Five (5) Long Answer Type or Essay Type questions (One from each Unit) **05x15=75**
2. Five (5) Short Notes (one (1) from each Unit) **05x05=25**
3. 100% option will be provided in every question.

[E] Recommended Readings

1. काणे पाण्डुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु. अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
2. Jayaswal, K.P. – Indian Polity
3. Sharma, R.S. – Political institutions in ancient india
4. Ludwig Sternbach – Judicial studies in ancient india law
5. Sengupta – Ancient indian chronology

Note: Teachers are free to recommend any relevant books/articles/e-resource.

Part – II
(Only for M.Phil. scholars)

Total Marks 300
Credits: 12

Two Seminars : 02x50 = 100 Marks

One seminar will be related to Research methodology or research ethics and one seminar will be related to dissertation's topic.

Marks of dissertation – 150 Marks

Marks of Viva-voice examination – 50 Marks